गया था। इस चैम्पियनशिप में भारत ने टीम प्रतियोगिता में कांस्य पदक भी जीता था।

1985-86 के दौरान शुरू की गई भारतीय खेल प्राधिकरण की विशेष क्षेत्र खेल योजना का लक्ष्य देश के आदिवासी/ग्रामीण/पहाड़ी क्षेत्रों से जहां तीरंदाजी एक परम्परागत खेल माना जाता है, प्रतिभाशालियों का पता लगाना है। तत्पश्चात चुने गए प्रतिभाशालियों को आधुनिक आयातित उपस्करों सहित आवश्यक सहायता देकर वैज्ञानिक पद्धतियों द्वारा आधुनिक तीरंदाजी में प्रशिक्षित किया जाता है। अच्छा प्रदर्शन करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को दीर्घकालीन प्रशिक्षण हेतु दाखिला दिया जाता है तथा उनका भोजन और आवास, आधुनिक उपस्करों, किटों और ऐसे अन्य मदों पर होने वाले खर्च को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाता है। विदेशी तीरंदाजी प्रशिक्षकों की आधुनिक प्रशिक्षण सुविधाओं के लिए खेल नयाचार के अन्तर्गत मांग की जाती है।

Development of airports

299. SHRI GOPAL RAO, RAO: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be pleased to state:

(a) what are the details of steps taken to develop/modernise computerise the airports of Hyderabad, Vijayawada, Visakhapatnam, Rajhmundry, Tirupati and Cuddapali; and

(b) what are the details of the funds allocated for the above purpose, item-wise, areawise?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI SHIVRAJ PATIL): (a) and (b) A statement is attached.

Statement

Details of the steps taken to develop/modernise computerise the airports at Hyderabad, Vijayawada, Visakhapatnam, Rajamundry, Tirupati and Cuddapah together with the details of funds allocated, itemwise/areawise.

S. No.	Name of the station	Details of developmental/modernisation/ computerisation scheme	Allocation made in the current year i.e. 1989-90
1	2	3	4
1	Hyderabad	*Developmental schemes*	
		(i) Commissioning of Automatic Message Switching system (Installation has since completed)	—
		(ii) Construction of new International block and car park (planned during 1989-90)	Rs. 10.00 lakhs (token provision)
		Modernisation Schemes	
		(i) Procurement and installation of Non-Directional Beacon (NDB) (Old one to be replaced)	Rs. 10.00 lakhs (token provision)

1	2	3	4
		(ii) Order placed for procurement of Doppler Very High Frequency Omni Range (DVOR) and Distance Measuring Equipment (DME)	Rs. 84.00 lakhs
2	Vijayawada . .	*Modernisation schemes*	
		Provision of night landing facilities such as taxiway lights, apron flood lights and Precision Approach Path Indicator (PAPI). (These works are likely to be completed by the end of this year)	Rs. 55.00 lakhs
3	Visakhapatnam .	This airfield belong to the Indian Navy and the NAA is maintaining a civil enclave for providing passenger handling facilities which are considered adequate to cater to the requirements of passengers at present.	—
4	Rajamundry . .	Construction of semi-permanent building .	Rs. 01.00 lakh (token provision)
5	Tirupati . .	Installation of Precision Approach Path Indicator (PAPI). (This scheme is expected to be completed by 31-10-1989).	Rs. 14.70 lakhs
6	Cuddapah . .	The National Airports Authority (NAA) has no plan for upgradation of the aerodrome at present.	—

इंदिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा, नई दिल्ली में निर्यात के माल का रुका होना

300. **श्री शांति त्यागी :** क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे, नई दिल्ली पर विदेशों को निर्यात किए जाने वाला दो हजार टन माल रुका पड़ा है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं और सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कदम उठाये जा रहे हैं; और

(ग) क्या सरकार निर्यात के माल के लदान के संबंध में कोई भावी योजना पर विचार कर रही है?

नागर विमानन और पर्यटन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शिवराज पाटिल) : (क) से (ग) जी, हां। यह बुक किया गया कार्गो है जिसे विमान-कम्पनियों द्वारा उड़ानों के परिचालनों के समय उठाया जाएगा। निर्यातकर्ताओं की सहायता के लिए, सरकार ने भारत अंतर्राष्ट्रीय विमानपत्तन प्राधिकरण टर्मिनल पर कार्गो के भंडारण के लिए विलंब शुल्क मुक्त अवधि को छः दिन से बढ़ाकर ग्यारह दिन कर दिया है। चालू वर्ष तथा अगले वर्ष में जनवरी से जुलाई तक की व्यस्तम अवधि के दौरान सरकार ने विदेशी विमान कम्पनियों सहित सभी विमान कम्पनियों को भारत से बाहर की कार्गो सेवाओं के लिये निःशुल्क परिचालन करने की अनुमति दी है। इन उड़ानों को आर्थिक दृष्टि से सक्षम बनाने के लिए इन उड़ानों में कार्गो भी लाया जा सकता है। राष्ट्रीय विमान दाहद भी अपनी कार्गो क्षमता को बढ़ा रहा है।